हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 16 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 27 अगस्त से 02 सितम्बर 2021

हे प्रभु !

किसे सुधरना है या बिगड़ना है यह मनुष्य के स्वभाव पर निर्भर करता है .

- अज्ञात

अनमोल विचार

बोलना तो जन्म के दो वर्षो बाद ही सीख जाते है लेकिन बोलना क्या है इसे सीखने में पूरा जीवन लग जाता है .

- अज्ञात

नजरिया

अगर आपके रहते आपके पिता फटे कपड़े पहनते है तो आपके महंगे कपड़े पहनने का कोई फायदा नही है और माँ से ऊँची आवाज में बात करते है तो देवी की पूजा करने से कोई फायदा नही है

-संपादक

CM उद्धव ठाकरे के चप्पल मारने वाले बयान पर संजय राउत ने दी सफाई

मुंबई। महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे को थप्पड़ मारने की बात कहने पर जिस तरह से केंद्रीय मंत्री नारायण राणे पर जिस तरह से पुलिस ने कार्रवाई की थी. इसके बाद अब बीजेपी लगातार शिवसेना पर हमलावर है. बीजेपी के एक नेता ने पुलिस में सीएम के उस बयान के खिलाफ शिकायत की है, जिसमें उन्होंने उत्तर प्रदेश के सीएम योगी को चप्पल से मारने की बात कही थी. बीजेपी के इस हमले को लेकर अब शिवसेना नेता संजय राउत ने सफाई दी है. संजय राउत ने कहा कि सीएम उद्धव ठाकरे ने जो भी बयान दिया था वो छत्रपति शिवाजी महाराज के अपमान पर दिया था. महराष्ट्र में कोई शिवाजी महाराज को चप्पल पहनकर माला नहीं पहनाता. ये हमारी संस्कृति और परंपरा है. यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने हमारी संस्कृति और परंपरा के साथ खिलवाड़ किया था.25 अक्टूबर 2020 को दशहरा भाषण के दौरान महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने योगी आदित्यनाथ के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था.

भाषण के दौरान ठाकरे ने कहा था कि एक योगी कैसे किसी राज्य का सीएम बन सकता है. उसे तो गुफा में बैठना चाहिए. उसे उसकी चप्पल से मारने चाहिए. योगी ने शिवाजी महाराज का अपमान किया है. योगी की शिवाजी पास जाने की हैसियत नहीं थी. योगी जब महाराष्ट्र आए तो उन्हें उनकी चप्पल से ही पीटना चाहिए. बीजेपी के यवतमाल जिले के अध्यक्ष नितिन भुटाडा ने महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है.

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की तबीयत बिगड़ी

मुंबई के लीलावती अस्पताल में कराए गए भर्ती

मुंबई। नारायण राणे की तबीयत अचानक खराब हो गई है. उन्हें इलाज के लिए मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है.केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की तबीयत अचानक खराब हो गई है. उन्हें इलाज के लिए मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है.बीजेपी नेता फिलहाल जमानत पर बाहर हैं. सीएम उद्धव ठाकरे के खिलाफ थप्पड़ मारने वाला बयान देने के बाद उनको हिरासत में लिया गया था. हालांकि स्वास्थ्य कारणों के चलते ही उन्हें जमानत मिल गई थी. अब उनकी तबीयत फिर से बिगड़ गई है. जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. नारायण राणे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को थप्पड़ मारने का आपत्तिजनक बयान दिया था. महाड में दिए गए उनके बयान पर 24 अगस्त को रत्न गिरि पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया था. इसके बाद पुलिस ने उन्हें बुधवार को महाड कोर्ट में पेश किया. देर रात महाड कोर्ट में मजिस्ट्रेट ने उनकी जमानत याचिका मंजूर कर ली थी. कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा था

ICON OPTICAL GALLERY

Buy 2 Prs of prescription Antireflection glasses of Rs 1600/- and get 2 frames free.....

Buy 2 Prs of Blue Cut Antireflection prescription glasses of Rs 1899/- and get 2 frames free.....

Buy 1 Frame or Sunglass & get 1 Frame or Sunglass free Rs 1000/- onwards.....

Branded Frames, Sunglasses & Glasses available with discount.

We make any Single Vision, Bifocal and Progressive prescription Glasses in 1 or 2 hrs.

9819292152
murtaza12152@yahoo.com
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

Begin your Journey to a Better Life
With Peace, Love, & Happiness

YOGA

YOGA classes available | Session 5 days a week

Offline & Online

FREE TRIAL CLASS

C- 505, Badri bldg, Mathuradas road, Kandivali (W), Mumbai- 400067.

YOGA BY ZAINAB
70213 01200

नए अध्यक्ष की नियुक्ति से खफा मुंबई युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

मुंबई. मुंबई युवा कांग्रेस में इन दिनों नेताओं में नाराजगी का माहौल देखने को मिल रहा है. इसके चलते इसी साल 15 अगस्त को मुंबई युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए गए सूरज ठाकुर ने पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अध्यक्ष पद पर गैर राजनीतिक और अनुभवी व्यक्ति की नियुक्ति किए जाने से निराश थे. 15 अगस्त को सूरज ठाकुर को मुंबई युवा कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष और जीशान सिद्दीकी को अध्यक्ष नियुक्त किया गया था. अपने इस्तीफा पत्र में सूरज ठाकुर ने कहा है, ह्यपार्टी की ओर से हाल ही में लिए गए इस फैसले से मुझे निराशा हुई है. मैं किसी भी गैर राजनीतिक व अनुभवी व्यक्ति के साथ काम करने को लेकर पूरी तरह से असुविधाजनक महसूस कर रहा हूं.सूरज ठाकुर ने पत्र में इस बात पर भी निराशा जताई है कि उनके कठिन परिश्रम और समर्पण को पूरी तरह नजरअंदाज करके किनारे कर दिया गया. उन्होंने अपने इस्तीफा पत्र में कहा है, ह्यमुझे आशा है कि आप एक सामान्य कार्यकर्ता की निराशा को समझेंगे, जो उपेक्षित महसूस करता है, यहां उन लोगों के नाम पर विचार किया जाता है, जिनके पास संगठन में मुझसे कम अनुभव है. नए अध्यक्ष की नियुक्ति से खफा मुंबई युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा सूरज ठाकुर ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस के पैदल सैनिक के रूप में काम किया है. उनका कहना है, एक मध्यम वर्गीय परिवार से आने के कारण मुंबई की झुग्गियों में पला-बढ़ा मैं 2007 में एनएसयूआई के सदस्य के रूप में अपने कॉलेज के दिनों में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुआ था. मैंने कई वर्षों तक कड़ी मेहनत की और समर्पण भाव रखा है.

छत्रपति संभाजी महाराज से नारायण राणे की तुलना पर भड़की शिवसेना, BJP नेता के खिलाफ थाने में की शिकायत

मुंबई. महाराष्ट्र में शिवसेना और बीजेपी के बीच बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है. अब शिवसेना विधायक वैभव नाइक ने बीजेपी के पूर्व विधायक प्रमोद जाठर के एक बयान को लेकर उनके खिलाफ थाने में शिकायत की है.

नाइक का आरोप है कि प्रमोद जाठर ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे संभाजी महाराज से की है. जिससे लोगों की भावनाएं आहत हुई है. नाइक ने पीटीआई से बात करते हुए कहा कि राणे की तुलना छत्रपति संभाजी महाराज से करना चौंकाने वाला है. उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज एक महान नेता थे, जिन्हें मुगल शासक औरंगजेब ने संगमेश्वर (रत्नागिरि जिले में) में गिरफ्तार किया और यातनाएं दीं.

उनकी तुलना नारायण राणे से करने के चलते प्रमोद जाठर ने उनके लाखों अनुयायियों की भावनाओं को आहत किया है.विधायक ने कहा कि उन्होंने सिंधुदुर्ग जिले के कनकावली पुलिस थाने में बुधवार को शिकायत दी और जाठर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की. नाइक वही शिवसेना नेता है जिन्होंने 2014 में सिंधुदुर्ग में कुडाल विधानसभा सीट से राणे को हराया था.

सेंट जोसेफ बोर्डिंग स्कूल के 22 बच्चे कोरोना संक्रमित, BMC ने किया सील

मुंबईः देश में कोरोना के मामलों में गिरावट के बाद कई राज्यों में स्कूलों को तो खोल दिया गया है, लेकिन सरकार के इस फैसले पर अब संकट मंडराता नजर आ रहा है। आजतक की खबर के मुताबिक गुरुवार को मुंबई के सेंट जोसेफ बोर्डिंग स्कूल में 15 छात्रों का कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव पाया गया है। इसके अलावा 7 और लोग कोरोना संक्रमित हो गए हैं मुंबई के अग्रीपाड़ा इलाके में स्थित सेंट जोसेफ बोर्डिंग स्कूल में कुल मिलाकरअब तक 22 बच्चे कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जानाकारी के अनुसार 95 लोगों की जांच की गई जिसमें 22 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जिसके बाद इलाके में अलर्ट जारी हो गया है और बीएमसी द्वारा स्कूल को सील कर दिया गया है। बता दें कि देश में कोरोना वायरस के मामलों में कमी आने के बाद कई राज्यों में स्कूलों को खोलने की अनुमति मिल गई थी। जिसके बाद अब मुंबई स्थित इस स्कूल में बड़ी संख्या में बच्चों में कोरोना संक्रमण फैल गया है। यह बात चिंता बढ़ाने वाली है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने बताया कि देश में पिछले 24 घंटे में कोविड के 46,000 नए मामले सामने आए। इनमें से 58% मामले केरल से सामने आए हैं। बाकी राज्यों में अभी भी कोविड के मामलों में गिरावट देखी जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश ऐसे राज्य हैं जिसमें कोविड के सक्रिय मामले 10,000 से 1,00,000 के बीच हैं। देश में कुल सक्रिय मामलों का केरल में 51%, महाराष्ट्र में 16% और बाकी 3 राज्य (कर्नाटक, तमिलनाडू और आंध्र प्रदेश) का 4%-5% योगदान है।

टकराव की सियासत को और बढ़ाएगी, उद्धव सरकार द्वारा केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की गिरफ्तारी

मुंबईः उद्धव सरकार द्वारा केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की गिरफ्तारी के बाद महाराष्ट्र में सियासी टकराव और बढ़ता दिखाई दे, तो ताज्जुब नहीं होना चाहिए। राणे को जमानत मिलने के तुरंत बाद उनके विधायक पुत्र नितेश राणे ने प्रकाश झा की फिल्म राजनीति का एक दृश्य ट्वीट कर इसके संकेत दे दिए हैं। इस दृश्य में अभिनेता मनोज वाजपेयी कहते दिखाई देते हैं झ ह्यकरारा जवाब मिलेगा।

नारायण राणे की राजनीतिक पैदाइश एवं परवरिश दोनों शिवसेना में हुई। इसलिए उन्होंने शिवसेना प्रमुख बालासाहब ठाकरे के नजदीक रहते हुए उन्हीं की आक्रामक शैली में राजनीति करने के गुर सीखे। दूसरी ओर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे स्वयं भले सौम्य दिखते हों, लेकिन उनके इर्द-गिर्द राणे जैसी ही आक्रामकता वाले शिवसैनिकों की भरमार है। स्वयं उद्धव में भी यह आक्रामकता शिवसेना की दशहरा रैली जैसे कुछ अवसरों पर दिखाई दे जाती है। यह आक्रामता भारत की सामान्य राजनीतिक संस्कृति से थोड़ा भिन्न है।प्रधानमंत्री एवं अमित शाह को अफजल खान कहना, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को उन्हीं के चप्पलों से पीटने की बात कहना शिवसेना की इसी शैली का हिस्सा माना जाता है। संभवतः शिवसेना की इसी शैली से निपटने के लिए भाजपा नारायण राणे को न सिर्फ पार्टी में लाई है, बल्कि उन्हें केंद्रीय मंत्री भी बनाया है।राणे को किसी भी तरह का सम्मान देना शिवसेना को कतई पसंद नहीं आता। 2014 से 2019 तक चली फडणवीस सरकार में कुछ महीने बाद ही शिवसेना शामिल हो गई थी। भाजपा से राणे की नजदीकियां भी उसी दौर में शुरू हो गई थीं। फडणवीस उन्हीं दिनों राणे को अपने मंत्रिमंडल में शामिल करना चाहते थे। लेकिन शिवसेना के दबाव के कारण वह ऐसा नहीं कर सके।यह सच है कि शिवसेना-भाजपा गठबंधन के दौर में समूचा कोंकण शिवसेना के ही हिस्से में था। इसलिए भाजपा वहां अपना जनाधार कभी बढ़ा ही नहीं पाई। यह भी सही है कि कोंकण में शिवसेना की मजबूती का बड़ा कारण नारायण राणे ही थे। चूंकि कोंकण मूल के लोगों की बड़ी आबादी मुंबई में बसती है। इसलिए मुंबई महानगरपालिका पर भी शिवसेना की इस मजबूती का असर दिखता है। भाजपा नारायण राणे को महत्व देकर कोंकण और मुंबई के इसी जनाधार में सेंध लगाना चाहती है।क्योंकि अगले छह माह में ही मुंबई महानगरपालिका के चुनाव होने हैं। कोंकण और मुंबई में अपनी मजबूती के कारण ही शिवसेना 32 साल से मुंबई महानगरपालिका पर राज करती आ रही है। मुंबई मनपा के पिछले चुनाव में भाजपा लंबी छलांग लगाने के बावजूद शिवसेना से दो सीट पीछे रह गई थी। इस बार भाजपा नारायण राणे के सहारे थोड़ा और लंबी छलांग लगाकर शिवसेना से उसका यह गढ़ छीनना चाहती है। इस लड़ाई में निर्विवाद रूप से राणे ही उसके सेनापति होंगे।मंगलवार रात महाड कोर्ट ने उन्हें ऐसी भाषा (मुख्यमंत्री को थप्पड़ मारनेवाली) दुबारा इस्तेमाल न करने की चेतावनी भले दी हो, लेकिन गिरफ्तारी से तिलमिलाए राणे का ऐसी भाषा से परहेज कर पाना संभव नहीं लगता। कोकण एवं मुंबई में उनके समर्थक भी उनकी गिरफ्तारी से खार खाए हुए हैं।

कोरोना के डेल्टा प्लस वेरिएंट के 27 नए मामले मिलने से हड़कंप

लगातार संक्रमित मरीज मिलने से बढ़ रहा तीसरी लहर का खतरा

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण का नया वेरिएंट तेजी से पैर पसार रहा है. इसके साथ ही तीसरी लहर का खतरा भी बढ़ता जा रहा है. राज्य में डेल्टा प्लस वेरिएंट के 27 नए मामले सामने आने से हड़कंप मचा हुआ है. अब तक महाराष्ट्र के 22 जिलों में कोरोना का डेल्टा प्लस वेरिएंट अपनी पकड़ बना चुका है. नए वेरिएंट से हो रहे संक्रमण की वजह से आम जनता के साथ ही सरकार की भी चिंता बढ़ती जा रही है.पूरे महाराष्ट्र में फिलहाल डेल्टा प्लस वेरिएंट के 103 मरीज सामने आ चुके हैं. राज्य में डेल्टा प्लस के 27 नए मामलों मेंगढ़चिरौली में 6, अमरावती में 6, नागपुर में 5, अहमदनगर में 4, यवतमाल में 3, नासिक में 2, भंडारा में 1 मरीज मिले हैं. कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान भी महाराष्ट्र में हालात बहुत ही खराब हो गए थे. राज्य में शुरूआत से अब तक कोरोना के 64 लाख 28 हजार 294 मामले सामने आ चुके है. वहीं 1 लाख 36 हजार 67 लोगों की कोरोना संक्रमण की वजह से मौत हो चुकी है.देश के कई राज्यों में इन दिनों कोरोना संक्रमण के बहुत ही कम मामले हैं.

सरकार की वैक्सीनेशन की प्रभावी नीति की वजह से ही मामलों में कमी देखी जा रही है. लेकिन महाराष्ट्र की स्थिति इसके उलट है. लगातार हो रहे वैक्सीनेशन के बाद भी संक्रमण के हर दिन सामने आ रहे मामलों ने चिंता काफी बढ़ा दी है. राज्य में जिस तरह से डेल्टा प्लस वेरिएंट के मामले सामने आ रहे हैं उससे तीसरी लहर का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है. जब कि सरकार सभी से कोरोना दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील कर रही है. राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक एक दिन में 4 हजार 380 लोग कोरोना से मुक्त हुए लेकिन 5 हजार 31 नए केस सामने आए. इस तरह राज्य में रिकवरी रेट 97.04 प्रतिशत तक आ गया है. राज्य में कोरोना से पिछले एक दिन में 216 लोगों की मौत हो गई. इस तरह से मृत्यु दर फिलहाल 2.12 प्रतिशत है.

परमबीर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज करवाने वाले बिल्डर ने अनिल देशमुख को बताया निर्दोष

मुंबई। 100 करोड़ की वसूली मामले में बिल्डर बिमल अग्रवाल ने राज्य सरकार द्वारा गठित रिटायर्ड जस्टिस उत्तमचंद चांदीवाली जांच समिति के सामने एक हलफनामा पेश किया है. अग्रवाल ने अपने हलफनामें में समिति को बताया है कि महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं. ये आरोप सीनियर क्वर अधिकारी परमबीर सिंह द्वारा बदले की भावना से लगाए गए हैं.बिल्डर बिमल अग्रवाल परमबीर सिंह और बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज करवा चुका है. बिमल अग्रवाल ने आयोग के सामन 26 पन्नों का हलफनामा दाखिल किया है. महाराष्ट्र सरकार ने इस साल मार्च में तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देखमुख के खिलाफ परमबीर सिंह द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार की जांच के लिए इस आयोग का गठन किया था. अपने हलफनामे में बिल्डर ने कहा है कि परमबीर सिंह के इशारे पर सचिन वाजे उनसे रंगदारी वसूलता था. हलफनामे में आगे कहा गया है कि बेबुनियाद आरोपों के साथ पत्र लिखने और देशमुख और राज्य सरकार पर हमला करने का पूरा प्रकरण परमबीर सिंह और सचिन वाजे के बदले की कार्रवाई है.बिमल अग्रवाल ने आयोग से कहा कहा है कि परमबीर सिंह द्वारा सीएम को लिखे गए पत्र में लगाए गए सभी आरोपों को खारिज करने के साथ-साथ परमबीर सिंह और वाजे के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की है. जांच आयोग के सामने सुनवाई 30 अगस्त को होगी.बिल्डर की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस पिछले हफ्ते परमबीर सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी. परमबीर सिंह के खिलाफ ये चौथा और मुंबई में दूसरा ऐसा मामला है. दो अन्य मामले ठाणे में दर्ज किए गए है.

महाराष्ट्र के किसान अब घर पर बैठकर करा सकते हैं अपनी फसल का रजिस्ट्रेशन

मुंबई। (अधिकारी) से खेतों में अपनी फसल का रजिस्ट्रेशन करते समय किसानों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. पहले लेखपाल (अधिकारी) किसानों की पिछले साल की फसल के बारे में रिकॉर्ड करता है. लेकिन, अब किसान घर बैठे ही अपने मोबाइल से अपनी फसल का ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते है. इसके लिए आपको सब से पहले ई-पिक रजिस्ट्रेशन एप डाउनलोड करना होगा. आइए जानें इसके बारे में खरीफ सीजन खत्म होने के बाद रबी फसल की तैयारी शुरू हो गई है. किसानों को नई फसल के लिए बैंकों से पहले लोन लेना होता था. हालांकि, लेखपाल (अधिकारी) द्वारा रिकॉर्ड की गई अनुमानित संख्या से किसान अक्सर प्रभावित हो

जाते हैं. सरकार अब किसानों एक लिए एक अच्छा विकल्प लेकर आई है और अब किसानों को घर पर अपनी फसल को पंजीकृत करने का मौका मिला हैं.कृषि और राजस्व विभाग के मार्गदर्शन में एक अलग ऐप विकसित किया गया है। सब से पहले किसान अपने द्वारा बोई गई फसल , खेत की जानकारी एक फॉर्म दुवारा भरकर फसल का फोटो अपलोड करके अपनी फसल का पंजीकरण करा सकेंगे.इसमें समूह संख्या, भूमि सिंचित है या नहीं, वर्तमान में कितना क्षेत्र रोपा गया है और कौन सी फसल शामिल है, सहित पूरी जानकारी दर्ज हो सकेगी. यह सारी जानकारी सरकारी कार्यालय तक ऑनलाइन पहुंच जाएगी, इसलिए फसल रजिस्ट्रेशन के लिए सरकारी कार्यालय जाने की जरूरत नहीं है. ऐप खोलने के बाद, खाताधारक (जिला, तालुका, गांव) का चयन करें और फिर मोबाइल पर चार अंकों का कोड नंबर दर्ज करें। परिचय विकल्प का चयन करने के बाद, फसल की जानकारी दर्ज की जाएगी, स्थायी फसल की रिपोर्ट करें, बांध पर पेड़ों को पंजीकृत करें, अपलोड करें, फसल की जानकारी प्राप्त करें। फसल की जानकारी पर क्लिक करें और समूह संख्या, भूमि क्षेत्र, पेट खराब, मौसम, बुवाई के लिए उपलब्ध क्षेत्र, फसल का नाम, क्षेत्र, सिंचाई उपकरण, रोपण की तारीख दर्ज करें। सभी जानकारी भरने के बाद सबमिट पर क्लिक करें फिर अन्य फसलों को भी इसी तरह रजिस्ट्रेशन कर सकते है। अपलोड खुलने के बाद अंत में इंट्रो इंफॉर्मेशन और क्रॉप दोनों पर क्लिक करें और अपलोड करे। इस तरह से किसान अब घर बैठे अपने मोबाइल फोन से अपनी फसल का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे बचाव में बोले, मैं कोई आम आदमी नहीं हूं, कोई अपराध नहीं किया

मुंबई: केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के खिलाफ दिए गए अपने बयान का मंगलवार को बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी टिप्पणी कर कोई अपराध नहीं किया है।मामले में अपनी गिरफ्तारी से पहले राणे ने कहा कि वह कोई आम आदमी नहीं हैं और इस तरह की खबरों के खिलाफ उन्होंने मीडिया को आगाह किया। राणे ने कोंकण क्षेत्र के चिपलूण में पत्रकारों से कहा, मैंने कोई अपराध नहीं किया है। आप खबरों का सत्यापन कर उन्हें टीवी पर दिखाएं नहीं तो मैं आपके (मीडिया के) खिलाफ मामला दर्ज कराऊंगा। कोई अपराध न करने के बावजूद मीडिया में मेरी आसन्न गिरफ्तारी की अटकलें लगाई जा रही हैं। आपको क्या लगता है कि मैं कोई आम आदमी हूं?

संपादकीय

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

मनमानी का उदाहरण

महाराष्ट्र में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की गिरफ्तारी हतप्रभ करने वाली तो है ही, शासन के मनमाने इस्तेमाल और साथ ही भारतीय राजनीति में लगातार बढ़ती असहिष्णुता की भी परिचायक है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लेकर नारायण राणे ने जो बयान दिया वह अस्वाभाविक, अरुचिकर और सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार के प्रतिकूल तो कहा जा सकता है, लेकिन यह ऐसा वक्तव्य नहीं कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाए। यदि इस तरह छोटी-छोटी बातों पर गिरफ्तारियां होंगी तो किसी की खैर नहीं। सत्ता के अहंकार में चूर महाराष्ट्र सरकार ने न केवल नारायण राणे की गिरफ्तारी की, बल्कि इस दौरान यह भी सुनिश्चित किया कि उनके साथ किसी अपराधी की तरह व्यवहार किया जाए। नारायण राणे के साथ हुए पुलिसिया व्यवहार ने उन घटनाओं की याद दिला दी जिनकी चपेट में एक टीवी चैनल के संपादक और मशहूर अभिनेत्री कंगना रनोट आई थीं। ऐसा लगता है कि महाराष्ट्र सरकार अपने राजनीतिक आकाओं का हुक्म बजाते समय सामान्य तौर-तरीकों को भुला देना और शिवसेना की निजी सेना की तरह व्यवहार करना पसंद कर रही है। उसे अपनी प्रतिष्ठा के साथ लोकलाज की कुछ तो परवाह करनी चाहिए। निःसंदेह ऐसी ही अपेक्षा महाराष्ट्र सरकार से भी है, लेकिन शायद उसने उन तौर-तरीकों को अपने शासन का हिस्सा बनाना तय कर लिया है जो उसने विपक्षी दल के रूप में अपने राजनीतिक विरोधियों के प्रति अपना रखे थे। नारायण राणे की जिस तरह से गिरफ्तारी हुई उससे यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना के बीच की राजनीतिक कटुता और अधिक बढ़ेगी। इसके नतीजे में राज्य का राजनीतिक माहौल और अधिक दूषित ही होगा। भारतीय लोकतंत्र के लिए यह ठीक नहीं कि राजनीतिक दल प्रचलित मयार्दाओं का उल्लंघन करने की होड़ में लिप्त हो जाएं। माना कि शिवसेना को पूर्व शिवसैनिक नारायण राणे फूटी आंख नहीं सुहाते और वह जब से केंद्र में मंत्री बने हैं तब से उद्धव ठाकरे और उनके साथियों में उनके प्रति तल्खी बढ़ी ही है, लेकिन उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि केंद्रीय मंत्री की अपनी एक गरिमा होती है। उनकी गरिमा से खिलवाड़ कर शिवसेना अपनी राजनीतिक खुन्नस तो निकाल सकती है.

पाकिस्तान और चीन से निपटना है

तालिबान को मान्यता देकर भारत कई मुद्दों पर पाकिस्तान और चीन से एक कदम आगे की चाल चल सकता है. भारत फिलहाल पशोपेश में है कि उसे तालिबान को मान्यता देनी चाहिए या नहीं? लेकिन भारत को समझना होगा कि अपने सामरिक और सुरक्षा दृष्टिकोणों को देखते हुए उसे जल्द से जल्द तालिबान से बातचीत शुरू कर देनी चाहिए. भारत तालिबान से बातचीत करने में जितनी देर करेगा चीन और पाकिस्तान उसका उतना ही ज्यादा लाभ उठाएंगे. भारत को अगर पाकिस्तान और चीन जैसे देशों से निपटना है तो उसे अफगानिस्तान की धरती में अपनी मौजूदगी दर्ज करानी होगी अफगानिस्तान में तालिबान पूरी तरह से काबिज हो चुका है. दुनिया को यह सच स्वीकार कर लेना चाहिए कि अब अफगानिस्तान की किस्मत तालिबान के हाथों में है और जिन भी देशों को अफगानिस्तान से अपने संबंध बनाने हैं उन्हें तालिबान से बातचीत करनी ही होगी. रूस, चीन, ईरान और पाकिस्तान जैसे देश तालिबान को मान्यता देने का मन बना चुके हैं. यूरोपीय देश भी आगे चलकर ऐसा ही करेंगे, क्योंकि अफगानिस्तान में किसी की भी सरकार हो इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता. पाकिस्तान और चीन पर माइलेज के लिए जरूरी भारत ने आखिरी और पहली बार तालिबान से बातचीत तब की थी जब

इंडियन एयरलाइंस के विमान को आतंकवादियों ने हाईजैक कर लिया था और उसे कंधार लेकर गए थे. इसके बाद से भारत ने कभी भी तालिबान से बातचीत नहीं की. क्योंकि ऐसा करने की जरूरत नहीं हुई. दरअसल साल 2000 में जब अफगानिस्तान में अमेरिकी फौजों की एंट्री हुई और उसने तालिबान को सत्ता से उखाड़ फेंका और वहां अशरफ गनी की लोकतांत्रिक सरकार बन गई, जिसके संबंध भारत से बहुत बेहतर रहे. इसलिए भारत ने कभी भी तालिबान से बातचीत करने की जहमत नहीं उठाईलेकिन आज परिस्थिति पूरी तरह बदल चुकी है. अफगानिस्तान में तालिबान का शासन है और जिस तरह से उसने कुछ ही दिनों में पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा किया है उसे देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि अफगानिस्तान में इस वक्त तालिबान कितना ज्यादा मजबूत है. पाकिस्तान हमेशा से तालिबान और अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल भारत के खिलाफ करने की साजिश रचता रहा है. इसलिए अगर भारत तालिबान से अपने बेहतर संबंध स्थापित कर लेता है तो आने वाले समय में ना तो तालिबान के लड़ाके जम्मू कश्मीर में घुसपैठ करेंगे और ना ही तालिबान अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल भारत के खिलाफ होने देगा. दूसरी सबसे बड़ी वजह है चीन, चीन और भारत का संबंध जिस तरह से इन कुछ वर्षों में खराब हुआ है उसे देखकर साफ कहा जा सकता है कि भारत को उसके हर एक चाल पर पैनी नजर रखनी होगी. चीन फिलहाल अफगानिस्तान में पूरी तरह से सक्रिय है और तालिबान से बातचीत कर रहा है. यहां तक कि उसने तालिबान को मान्यता तक देने की बात कर दी है. ऐसे में अगर भारत तालिबान को मान्यता देने में जल्दबाजी नहीं करता है तो इसके पूरे आसार हैं कि तालिबान चीन और पाकिस्तान के करीब आ जाएगा, जो भारत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है. भारत को अपने दूतावासों को फिर से शुरू करना चाहिए

अफगानिस्तान में जैसे ही तालिबान का कब्जा हुआ और स्थिति काबू से बाहर जाने लगी तो भारत ने अपने राजदूतों को अफगानिस्तान से वापस बुला लिया. लेकिन रूस, चीन, ईरान और पाकिस्तान जैसे देशों ने अफगानिस्तान में अपने दूतावास नहीं बंद किए. अब धीरे-धीरे और देश भी अफगानिस्तान में अपने दूतावास खोलने पर विचार कर रहे हैं. भारत को भी जल्द अपने दूतावासों को फिर से शुरू कर देना चाहिए. क्योंकि पूर्व में अफगानिस्तान और भारत की मित्रता बहुत गहरी रही है, इस बार तालिबान के रूप में भी बदलाव आया है. पहले का तालिबान पूरी तरह से पाकिस्तान के नियंत्रण में रहता था. जबकि अब के तालिबान में पाकिस्तान के प्रति पहले जैसा भाव नहीं है. वह पाकिस्तान के अलावा अन्य देशों से भी अपने संबंध बेहतर बनाना चाहता है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी सरकार को मान्यता देने के कुछ मानदंड जरूर विकसित हुए हैं. लेकिन ज्यादातर देश किसी देश को या वहां की सरकार को अपने राजनीतिक विचारों और भू-रणनीतिक हितों को देखते हुए ही मान्यता देते हैं. जैसा कि तालिबान के साथ चीन, रूस, ईरान और पाकिस्तान कर रहा है

घर-संसार

मथुरा ब्रजभूमि के वो 5 स्थान जहां कण-कण में हैं -भगवान श्रीकृष्ण

पर्व हर साल भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। आज हम आपको भगवान श्रीकृष्ण के उन पांच स्थानों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां प्रभु कण-कण में समाएं हुए हैं। यह स्थल आज भी गोपाल की लीलाओं का वर्णन करता है। अगर आप कृष्ण की लीलाओं का अनुभव करना चाहते हैं तो ब्रजभूमि जरूर जाएं। यहां महसूस होता है कि भगवान आसपास कहीं हैं। आइए जानते हैं इन पवित्र स्थानों के बारे में।मान्यताओं के अनुसार तीर्थराज प्रयाग यमुना के घाटों पर श्रीयमुना महारानी की देखरेख में कान्हा की पूजा करते हैं। भगवान के जन्म के बाद उनके पिता वासुदेव यमुना से होकर गोकुल गए थे। तब यमुना ने श्रीकृष्ण के चरण छूए थे। वहीं यमुना के आसपास भगवान ने कई लीलाओं का जिक्र शास्त्रों में है। कहां जाता है कि यमुना में स्नान करने से जातकों के सभी पाप दूर होते हैं श्रीकृष्ण के महत्व को जानने के लिए गोवर्धन की परिक्रमा एक बार जरूर करना चाहिए। यहां भगवान के बारे में हर छोटी-छोटी जानकारी मिल जाएगी। गोवर्धन में हमेशा भक्तिमय का माहौल रहता है। यहां कृष्ण कुंड और राधा कुंड की परिक्रमा की जाती है। पहले यहां नंदरायजी का घर हुआ करता था। वहां आज मंदिर है। यहां आपको बाल गोपाल के बारे में जानना को मिलेगा। भगवान कृष्ण ने पूरा बचपन यहीं बिताया था।

UP के चार दिनी दौरे पर लखनऊ पहुंचे -राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द, गवर्नर व सीएम ने किया स्वागत

लखनऊ : राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द उत्तर प्रदेश के चार दिन के दौरे पर गुरुवार को लखनऊ पहुंचे हैं। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट, अमौसी पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अगवानी तथा स्वागत किया। राष्ट्रपति एयरपोर्ट से सीधा राजभवन पहुंचे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द पूरे परिवार के साथ राजभवन पहुंचे। राजभवन में सबसे पहले उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि की। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द गुरुवार से उत्तर प्रदेश के चार दिन के दौरे पर रहेंगे। उनका लखनऊ के साथ गोरखपुर व अयोध्या का दौरा होगा। दो महीने में देश के राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश के दूसरे दौरे पर हैं। इससे पहले

उनका जून में पांच दिन का कानपुर, कानपुर देहात तथा लखनऊ का दौरा था। उत्तर प्रदेश के चार दिन के दौरे में राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द के तीन शहरों में कार्यक्रम हैं। लखनऊ के साथ ही उनका गोरखपुर तथा अयोध्या में भी कार्यक्रम है। इस दौरान लखनऊ में वह दो दिन कार्यक्रम में रहेंगे। उनका रात्रि प्रवास लखनऊ में ही रहेगा। लखनऊ में गुरुवार को शाम को वह बाबा साहेब डॉ.भीमराव आम्बेडकर सेंट्रल यूनिव सटी के दीक्षा समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर केन्द्रीय विवि के दीक्षा समारोह में सात मेधावियों को स्वर्ण पदक देंगे। इसके साथ ही वह समाजसेवी व इंजीनियर सोनम वांगचुक को विज्ञान में डाक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान करेंगे। विशिष्ट अतिथि राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में होने वाले समारोह में 132 मेधावियों को स्वर्ण पदक मिलेगा। राष्ट्रपति 132 मेधावियों में मात्र सात को स्वर्ण पदक देंगे। स्नातक के भानु प्रताप, प्रियंका गौतम, परास्नातक के शुभम मिश्र और पूजा मीना, एमफिल के सन्या व निहारिका के अलावा अंजू रावत को आरडी सोनकर स्वर्ण पदक राष्ट्रपति के हाथों मिलेगा, जिसे लेकर विद्या थयों में उत्साह है। इसके साथ समाजसेवी व इंजीनियर सोनम वांगचुक को विज्ञान में डाक्टरेट की मानद उपाधि भी दी जाएगी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द शाम 5:00 बजे बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी प्रेक्षाग्रह में अकादमिक शोभायात्रा के साथ समारोह शुरू होगा। इसके बाद राष्ट्रपति मेधावियों को मेडल देकर समारोह को संबोधित करेंगे। भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में होने वाले समारोह में एक घंटे पहले आना होगा। आयोजन में शामिल होने वाले विद्यार्थियों व अतिथियों को आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट साथ लानी होगी। यहां पर राष्ट्रपति का संबोधन शाम 5:40 बजे से होगा। इसके बाद वह 6:15 बजे राजभवन पहुंच जाएंगे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द शुक्रवार को सुबह 10:50 बजे परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पांडेय सैनिक स्कूल सरोजिनी नगर में स्कूल के 75 वर्ष पूरा होने के कार्यक्रम में शामिल होंगे। आज राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद का कैप्टन मनोज पांडेय यूपी सैनिक स्कूल में 60 मिनट का कार्यक्रम होगा। राष्ट्रपति यहां पर बालिकाओं के लिए छात्रावास के निर्माण की रखेंगे आधारशिला इसके साथ ही कैप्टन मनोज पांडेय यूपी सैनिक स्कूल की 75वीं जयंती पर आधारित पोस्टल स्टांप का विमोचन करेंगे। राष्ट्रपति स्कूल के एक हजार की क्षमता वाले आधुनिक प्रेक्षागृह का लोकार्पण करेंगे।

पूर्व सीएम कल्याण सिंह के नाम लखनऊ कैंसर संस्थान तथा बुलंदशहर का मेडिकल कॉलेज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा राजस्थान व हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय कल्याण सिंह को सम्मान देने के क्रम में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक और कदम बढ़ाया है। छह जिलों में प्रमुख सड़कों का नामकरण करने के बाद अब सरकार कल्याण सिंह के नाम पर राज्य सरकार के अन्य प्रतिष्ठान भी कर रही है। भारतीय राजनीति में दृढ़ता व पारदर्शिता के साथ अपने आदर्श व मूल्यों के लिए विख्यात पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कल्याण सिंह के सम्मान में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है। लखनऊ के विश्व स्तरीय कैंसर संस्थान को अब कल्याण सिंह कैंसर संस्थान के नाम से जाना जाएगा। लखनऊ में इस संस्थान का उपयोग कोविड अस्पताल के रूप में ही किया गया था। अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने बताया कि मुख्यमंत्री ने यह निर्णय लिया है।योगी आदित्यनाथ सरकार ने इसके साथ ही बुलंदशहर में राजकीय मेडिकल कॉलेज का नाम कल्याण सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज कर दिया है। बुलंदशहर के नरौरा में ही कल्याण सिंह का अंतिम संस्कार किया गया था। देश में आदर्श तथा मूल्यों की राजनीति करने वाले चुनिंदा नेताओं में शामिल कल्याण सिंह के नाम पर इससे पहले भी योगी आदित्यनाथ सरकार ने छह जिलों में प्रमुख सड़कों का नाम रखने की घोषणा की थी। इनमें अयोध्या में रामलला मंदिर तक जाने वाले मार्ग का नाम भी है। प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर इसका प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है। राजधानी लखनऊ के साथ अयोध्या, प्रयागराज, अलीगढ़, एटा तथा बुलंदशहर में एक-एक सड़क अब कल्याण सिंह के नाम पर होगी। इसके साथ ही अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक जाने वाली सड़क का नाम कल्याण सिंह मार्ग होगा।

आगरा में मिलावटी शराब के सेवन से मौत के मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ का निचले स्तर पर एक्शन का निर्देश

लखनऊ। ताजनगरी आगरा में मिलावटी शराब के सेवन से दस लोगों की मौत के मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ बेहद नाराज हैं। उनका निर्देश है कि इस गंभीर प्रकरण में अफसरों के साथ ही निचले स्तर पर लापरवाह के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई हो।आगरा में मिलावटी शराब के सेवन से दस लोगों की मौत के साथ ही आधा दर्जन के गंभीर होने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगरा में मिलावटी शराब से मौत की यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण में अफसरों के साथ ही नीचे के कर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी जगह पर अवैध शराब के ठिकानों पर छापा मारा जाए। इसको लेकर सभी अधिकारी तथा कर्मी गंभीर हो जाएं।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगरा की घटना में संबंधित स्थानीय अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। प्रदेश में अब से अवैध शराब की निर्माण, क्रय, विक्रय की एक भी घटना घटित न हो, इसके लिए ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है।

कविता

ओशो की नजर में कबीर

ओशो रजनीश ने कबीर पर बहुत कुछ कहा, उनके प्रवचनों पर ही आधारित कई पुस्तकों का निर्माण हुआ। जैसे कहे कबीर दिवाना, सुनो भाई साधो, लिखा लिखी की है नहींगूंगे केरी सरकरा, कहै कबीर मैं पूरा पाया कबीर वाणी आदि कई पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। ओशो कहते हैं कि संत कई हुए हैं, लेकिन कबीर मानो पूर्णिमा का पूरा चांद। साधारण भाषा के असाधारण संत कबीर दास पर ओशो के प्रारंभिक प्रवचनों के अंश यहां प्रस्तुत हैं। कबीर! संत तो हजारों हुए हैं, पर कबीर ऐसे हैं, जैसे पूर्णिमा का चांद- अतुलनीय, अद्वितीय! जैसे अंधेरे में कोई अचानक दीया जला दे, ऐसा यह नाम है। जैसे मरुस्थल में कोई अचानक मरुद्यान प्रकट हो जाए, ऐसे अद्भुत और प्यारे उनके गीत हैं! मैं कबीर के शब्दों का अर्थ नहीं करूंगा। शब्द तो सीधे-सादे हैं। कबीर को तो पुनरुज्जीवित करना होगा। व्याख्या नहीं हो सकती उनकी, उन्हें पुनरुज्जीवन दिया जा सकता है। उन्हें अवसर दिया जा सकता है कि वे मुझसे बोल सकें। तुम ऐसे ही सुनना, जैसे यह कोई व्याख्या नहीं है; जैसे बीसवीं सदी की भाषा में, पुनर्जन्म है। जैसे कबीर का फिर आगमन है। और बुद्धि से मत सुनना। कबीर का कोई नाता बुद्धि से नहीं।

बच्चों से बड़ों तक सबके लिए फायदेमंद है वंशलोचन (तबाशीर), जानें इसके औषधीय लाभ और प्रयोग का तरीका

वंशलोचन बांस के पेड़ की एक किस्म से बनता है। दरअसल, ये बांस का एक तना होता है जो कुछ पत्तियों के साथ बाहर से सख्त और अंदर से नरम होता है। वंशलोचन या ताबाशीर दिखने में एक सफेद पदार्थ की तरह दिखता है, जो मुख्य रूप से सिलिका और पानी से बना होता है, जिसमें चूने और पोटाश के निशान होते हैं, जो बांस की कुछ प्रजातियों से निकलते हैं। वंशलोचन का कोई स्वाद नहीं होता है। लेकिन ये जीभ पर लगाते ही पानी सोख लेता है। यह गंधहीन होता है और इसकी शेल्फ लाइफ एक वर्ष से अधिक होती है। वंशलोचन की खास बात ये है कि ये औषधीय गुणों से भरपूर है और बड़े से लेकर बच्चों तक सबके लिए फायदेमंद है। वंशलोचन के विभिन्न फायदे और उपयोग को लेकर हमने डॉ. संजय शास्त्री से बात की जो कि एक आयुर्वेदिक डॉक्टर हैं और लखनऊ आयुवेर्दा क्लीनिक में कार्यरत हैं। वंशलोचन की खास बात ये है कि इसमें सिलिकॉन डाइऑक्साइड है, जो हड्डियों, जोड़ों, टेंडन और त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता। वंशलोचन के सेवन से शरीर के ऊतकों का पूरी तरह से विकास होता है। आयुर्वेद के अनुसार, ये इम्यूनो-मॉड्यूलेटर की तरह काम करता है जो कि इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में मदद करता है। इस तरह ये रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, मौसमी बीमारियों से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें कुछ खास मेडिसनल गुण होते हैं, जैसे कि कि हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसे अगर आप प्रेग्नेंसी के समय खाएं तो, आपके बच्चे की हड्डियों का विकास होता है। बड़े बच्चों को खिलाएं तो उनकी हड्डियां मजबूत होती है और बढ़ती उम्र में खाएं तो, ये हड्डियों का मजबूत बनाता है और जोड़ों के दर्द, गठिया और ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसे समस्याओं से बचाता है। ऐसे में आप वंशलोचन को दूध में मिला कर पी सकते हैं। वंशलोचन ठंडी तासीर वाला होता है इसलिए जिन लोगों को हाथ पैर में जलन और हाथ से पसीने निकले की परेशानी होती है उनके लिए भी वंशलोचन का सेवन फायदेमंद है। ये पित्त को शांत करता है और शरीर के बाकी दोष जैसे कि वात, पित्त और कफ में संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। इसके लिए आपको वंशलोचन के पानी का नियमित रूप से सेवन करना होगा। पेट में सूजन के पीछे कई कारण हो सकते हैं।

अभिनव शुक्ला नहीं है रुबीना दिलैक की पहली पसंद

इस को-एक्टर से मिला चुका है प्यार में धोखा

टीवी वर्ल्ड की सबसे पॉपुलर एक्ट्रेस रुबीना दिलैक आज यानि 26 अगस्त को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। छोटी बहू से बिग बॉस के घर तक के सफर में रुबीना ने खुद को हमेशा साबिक किया है। रुबीना अपनी कामयाबी और खुशी का श्रेय पति अभिनव शुक्ला को देती हैं। दोनों ने तीन साल पहले शादी की थी। पर क्या आप जानते हैं अभिनव शुक्ला रुबीना का पहला प्यार नहीं हैं। दरअसल, रुबीना ने अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत जी टीवी के सीरियल छोटी बहू से की थी। शो में रुबीना जहां फीमेल लीड थीं, वहीं अविनाश सचदेव मेल लीड थे। रुबीना को अविनाश के दिल इसी शो के दौरान मिले थे। हालांकि शुरूआत में दोनों की एकदम नहीं बनती थी। वो दोनों एक दूसरे को एरोगेंट समझते थे। शो छोटी बहू की शूटिंग शुरू होने के 3 महीने तक उनमें बातचीत नहीं होती थी। दोनों के रिश्ते आउटडोर शूट के बाद बदलने शुरू हुए।अविनाश और रुबीना के बीच अच्छी बातचीत होने लगी। दोनों अक्सर फैमिली और जिंदगी के बारे में बात करते थे। वो धीरे धीरे अच्छे दोस्त बन गए और इसके साथ ही शुरू हुए इनके इश्क के चर्चे। खबरों की माने तो अविनाश उस वक्त रुबीना से शादी करना चाहते थे। अविनाश ने रुबीना के बारे में अपनी फैमिली को भी मना लिया था। इसी बीच दोनों की सीक्रेट शादी की खबरें भी आईं थी। हालांकि फिर इसे सिरे से खारिज कर दिया गया।इनके प्यार को अंजाम मिल पाता उससे पहले ही अविनाश का नाम दूसरी एक्ट्रेस के संग जुड़ने की न्यूज आने लगी। जिसकी वजह से दोनों के रिश्ते में तनाव पैदा हो गया। और एक दिन एसा आया कि दोनों ने ब्रेकअप करना ही सही समझा। रुबीना ने ब्रेकअप की वजह अविनाश का दूसरी अभिनेत्री संग अफेयर बताया था और कहा कि उन्होंने मेरे साथ धोखा किया था। रुबीना ने एक इंटरव्यू में कहा कि पिछले रिलेशनशिप्स ने उन्हें और मजबूत बनाया है।

विराट अपने अहंकार को जेब में रखकर जो उपदेश देते हैं वही करें तभी बनेगा रन-पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने दी सलाह

नई दिल्ली। विराट कोहली अब जब भी मैदान पर बल्ला लेकर उतरते हैं तो उनसे बड़ी पारी की उम्मीद बढ़ जाती है, लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से अब तक सबको निराश कर रखा है। अब उनकी फार्म में कैसे वापसी होगी इसे लेकर टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर मनिंदर सिंह ने उन्हें सलाह दी और कहा कि, वो अपने अहंकार को जेब में रखकर जो उपदेश देते हैं वही करें। हेडिंग्ले टेस्ट मैच से पहले विराट कोहली से पूछा गया था कि, इंग्लिश कंडीशन में बल्लेबाजों की सफलता का

क्या मंत्र होना चाहिए। इसका जवाब देते हुए 32 साल के कोहली ने कहा था कि, अगर बल्लेबाजों को रन बनाना है तो उन्हें अपनी अहंकार को जेब में रखना होगा। विराट कोहली खुद रनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और ये देखकर मनिंदर सिंह ने कहा कि, वो जो उपदेश देते हैं खुद भी वही करें। मनिंदर सिंह ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो पर बात करते हुए कहा कि, तीसरे टेस्ट मैच से पहले विराट कोहली ने कहा था कि, इंग्लिश कंडीशन में आपको अपना अहंकार अपनी जेब में रखना होगा और मुझे लगता है कि, ये बिल्कुल सही है। अगर वो हावी होने की कोशिश करते हैं जैसा कि आम तौर पर विराट कोहली करते हैं, तो ये ऐसी पिच नहीं है जहां वो इस तरह की बल्लेबाजी कर सकते हैं।

मनिंदर सिंह ने कहा कि, उन्हें क्रीज पर कुछ समय बिताने की जरूरत है, जैसा कि उन्होंने पिछले दौरे पर किया था और लगभग 600 रन बनाए थे। एक बार जब आप गति के बारे में जान जाते हैं और जानते हैं कि गेंद कितनी सीम के आसपास है, तो आप अपने शॉट्स खेलना जारी रख सकते हैं।

ये सपाट भारतीय पिच नहीं है जहां आप अपना पैर आगे बढ़ाते हैं और ड्राइव करना शुरू कर देते हैं। मनिंदर सिंह ने कहा कि, कोहली ने जो उपदेश दिया उन्हें अभ्यास करना होगा और अपना अहंकार भी जेब में रखना होगा।

इंग्लैंड में बल्लेबाजी के दौरान विराट कोहली कर रहे हैं गलती, नासिर हुसैन ने बताया

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि भारतीय कप्तान विराट कोहली कई ऐसी गेंदें खेल रहे हैं जिन्हें वह छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोहली 2014 दौरे की गलतियों को दोहरा रहे हैं, जिसे उन्होंने 2018 में सुधारा था। कोहली ने मौजूदा टेस्ट सीरीज की चार पारियों में 17.25 की औसत से सिर्फ 69 रन बनाए हैं। तीसरे टेस्ट की पहली पारी में बुधवार को वो सात रन बनाकर आउट हुए। जेम्स एंडरसन ने उन्हें विकेटकीपर जोस बटलर के हाथों कैच कराया। टीम इंडिया के कप्तान नवंबर 2019 से शतक नहीं लगा पाए हैं। नासिर हुसैन ने डेली मेल में अपने कालम में कहा, इंग्लैंड के गेंदबाजों की गेंद आफ स्टंप से स्विंग

हो रही थी। इसके विपरीत, भारतीय गेंदबाजों को स्विंग नहीं मिल रहा था और इससे उन्होंने फुल लेंथ गेंदबाजी पर भरोसा किया। उन्होंने (इंग्लैंड के गेंदबाज) आफ स्टंप से मूव करती गेंद के लिए बेहतर लेंथ का इस्तेमाल किया। यह कोहली को सस्ते में आउट करने के लिए काफी था। हुसैन ने जनवरी 2017 के एक वीडियो के बारे में बात करते हुए कहा, मैंने विराट के साथ स्काई के लिए एक मास्टरक्लास किया था। तब उन्होंने कहा था कि उन्होंने 2014 में इंग्लैंड के निराशाजनक दौरे के बाद अपनी तकनीक में बदलाव किया था। उस सीरीज में कोहली का पिछला पैर उस तरह से नहीं चल रहा था जैसा वह चाहते थे, उनका एलाइनमेंट बहुत गलत था

कोहली की खराब फार्म का जहीर खान ने किया बचाव

कहा- सचिन व पोंटिंग को भी हुई थी दिक्कत

नई दिल्ली। विराट कोहली की खराब फार्म और उनके द्वारा लगातार रन नहीं बनाना टीम इंडिया के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट फैंस को भी निराश कर रहा है। विराट कोहली की खराब फार्म को लेकर क्रिकेट एक्सपर्ट्स अपनी-अपनी तरह से उन्हें राय दे रहे हैं। गावस्कर ने तो यहां तक कह दिया कि, उन्हें एक बार सचिन तेंदुलकर को काल कर सलाह लेनी चाहिए। कोहली की खराब फार्म के बारे में कई दिग्गजों को कहना है कि, वो जल्दी ही कुछ बड़ा करेंगे और शतक भी लगाएंगे। अब विराट कोहली के खराब फार्म के बाद टीम इंडिया के

पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने उनका समर्थन किया है। विराट कोहली हेडिंग्ले टेस्ट मैच की पहली पारी में 7 रन पर आउट हो गए इसके बारे में बात करते हुए

जहीर खान ने कहा कि, सभी महान खिलाड़ियों को अपने करियर में कभी ना कभी इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ता है। जहीर खान के मुताबिक सचिन तेंदुलकर और रिकी पोंटिंग जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के क्रिकेट करियर में भी इस तरह का खराब वक्त आया था और वो भी इस तरह के फेज से गुजरे थे। कोहली भी अपनी इन गलतियों से सबक लेंगे और जल्दी ही वापसी करेंगे।

पीसीबी अध्यक्ष पद से हटे एहसान मनी, इस पूर्व क्रिकेटर के नए चेयरमैन बनने की अटकलें

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष एहसान मनी ने अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद गुरुवार को अपने पद से हट गए। पीसीबी के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि मणि अब बोर्ड के अध्यक्ष नहीं हैं, क्योंकि उनका कार्यकाल 25 अगस्त को समाप्त हो गया। उन्होंने आगे कहा कि हम इस मामले पर और कोई टिप्पणी नहीं कर सकते, क्योंकि नए अध्यक्ष के चुनाव की अधिसूचना प्रधानमंत्री आवास द्वारा जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री इमरान खान वर्तमान में बोर्ड के संरक्षक हैं और अब पीसीबी बोर्ड आफ गवर्नर्स में दो लोगों को नामित करेंगे और उनमें से एक को नए अध्यक्ष के रूप में चुना जाएगा। इस बीच खबरें आई हैं कि पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान रमीज राजा बोर्ड के नए अध्यक्ष के

रूप में पदभार संभालेंगे। मणि और रमीज दोनों ने इस सप्ताह प्रधानमंत्री के साथ बैठकें की हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि खान बीओजी के लिए रमीज को नामित करेंगे या नहीं। रमीज ने एक क्रिकेट वेबसाइट को बताया कि जब उन्हें बैठक के लिए बुलाया गया तो उन्होंने पीएम को पाकिस्तान क्रिकेट के पुनर्गठन का खाका सौंपा था। उन्होंने कहा, पाकिस्तान क्रिकेट को एक नई दिशा की जरूरत है, क्योंकि तीनों प्रारूपों में हमारी रैंकिंग से संकेत मिलता है कि हमारा क्रिकेट उस तरह से आगे नहीं बढ़ रहा है जैसा प्रधानमंत्री चाहते है। मुझे खुशी है कि उन्होंने मुझे फोन किया और मेरी बात सुनी। वह क्रिकेट की स्थिति के बारे में चिंतित हैं और चर्चा के लिए तैयार हैं। मैंने उन्हें चीजों को लेकर जानकारी दी है। यह बैठक काफी अच्छी रही और अब आगे कैसे बढ़ना इसपर उन्हें फैसला लेना है। बता दें कि मणि ने जियो न्यूज चैनल से पुष्टि की है कि उन्होंने बोर्ड के अध्यक्ष के पद पर अब और बने रहने से इन्कार कर दिया है।

गांजे की खेती करना चाहता है किसान जिला प्रशासन से मांगी इजाजत

सोलापुर. महाराष्ट्र के सोलापुर में एक किसान गांजे की खेती करना चाहता है. इसके लिए उसने ज़िला प्रशासन के पास अर्जी लगाई है. किसान की दलील है कि इससे उन्हें मोटी कमाई होगी. प्रशासन ने अब किसान की इस अर्जी को स्थानीय पुलिस के पास भेज दिया है. पुलिस का कहना है कि किसान ऐसी मांग करके पब्लिसिटी स्टंट यानी जबरदस्ती सुर्खिया बटोरना चाहते हैं. बता दें कि नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गांजे की खेती पर प्रतिबंध लगा है. गांजे की खेती करने की मांग सोलापुर में मोहोल तहसील के किसान अनिल पाटिल ने की है. बुधवार को सोलापुर जिला कलेक्टर को भेजे अपने आवेदन में उन्होंने कहा कि किसी भी फसल के लिए कोई निश्चित मूल्य (MSP) नहीं है और इसलिए, कृषि व्यवसाय घाटे में चल रहा है. लिहाजा अगर उन्हें गांजे की खेती करने की इजाजत दी जाए तो उन्हें इसमें अच्छी कमाई होगी.अनिल पाटिल ने अपने आवेदन में लिखा है, ह्यचूंकि कृषि उपज कम मिलती है, इसलिए खेती मुश्किल होती जा रही है. यहां तक कि किसी भी फसल की लागत भी वसूल नहीं हो पाती है. चीनी कारखानों को बेचे जाने वाले गन्ने का बकाया भुगतान नहीं किया जाता है. बाजार में गांजे की अच्छी कीमत है, मैं अपनी दो एकड़ जमीन पर इसकी खेती करने की अनुमति मांगता हूं.

उन्होंने जिला प्रशासन से 15 सितंबर तक अपने खेत में गांजे का पौधा उगाने की अनुमति देने के लिए भी कहा है, और ऐसा नहीं करने पर वो 16 सितंबर से खेती शुरू करेंगे, यह मानते हुए कि उन्हें इसकी अनुमति दी गई है. उन्होंने आवेदन में कहा, ह्यअगर मेरे खिलाफ गांजे की खेती के लिए कोई अपराध दर्ज किया जाता है, तो प्रशासन जिम्मेदार होगा. हालांकि, मोहोल पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक अशोक सैकर ने कहा कि किसान का आवेदन महज एक पब्लिसिटी स्टंट है.

डरा रहा कोरोना, तीसरी लहर में पीक के दौरान मुंबई में आएंगे 1.30 लाख केस

देश में कोरोना के बढ़ते आंकड़ों ने एक बार फिर डराना शुरू कर दिया है. पिछले 24 घंटे की बात करें तो कोरोना के 46,164 नए मामले सामने आए हैं जबकि 607 लोगों की मौत हुई है. कोरोना के नए मामलों को देखने के बाद तीसरी लहर की बात अब सही साबित होती दिख रही है. वैज्ञानिकों के मुताबिक सितंबर और अक्टूबर में कोरोना की तीसरी लहर आ सकती है. कोरोना का असर अब महाराष्ट्र पर भी दिखाई देने लगा है. महाराष्ट्र में बुधवार को कोविड-19 के 5,031 नए मामले सामने आए हैं और 216 मरीजों की मौत हुई है. मृतकों की संख्या मंगलवार के मुकाबले करीब 100 ज्यादा है. की रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग ने महाराष्ट्र में कोरोना की तीसरी लहर की आशंका जताई है और कहा है कि तीसरी लहर की पीक के दौरान राज्य में 60 लाख संक्रमण के मामले सामने आ सकते हैं, जिनमें से अधिकतर मामले मुंबई और पुणे के हो सकते हैं. एक्सपर्ट्स का कहना है कि मुंबई में कोरोना की दूसरी लहर के चरम के दौरान 91,100 मामले सामने आए थे जबकि पुणे में 19 मार्च को 1.25 लाख मामले सामने आए थे. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक तीसरी लहर के चरम के दौरान यहां 1.87 लाख मामले सामने आ सकते हैं. मुंबई में कोरोना के पीक के दौरान 88,823 मरीजों का घर पर इलाज होगा जबकि 47,928 को अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा. इस दौरान 957 मरीजों को वेंटिलेटर के साथ आईसीयू बेड की आवश्यकता होगी. पुणे में, 1.21 लाख लोगों को घर पर आइसोलेट किया जाएगा, जबकि 1,314 मरीजों को वेंटिलेटर के साथ आईसीयू बेड की आवश्यकता होगी. ठाणे में दूसरी लहर के पीक के दौरान 86,732 मामले सामने आए थे, जबकि तीसरी लहर में 1.3 लाख मामले और 911 लोगों को वेंटिलेटर की आवश्यकता होगी.

नागपुर में कोरोना की दूसरी लहर की पीक के दौरान 80,000 मामले सामने आए थे जबकि तीसरी लहर के दौरान इसके 1.21 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है. इस दौरान 850 लोगों को वेंटिलेटर पर आईसीयू बेड की आवश्यकता हो सकती है. रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई को 250 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत होगी जबकि पुणे को 270 मीट्रिक टन, ठाणे को 187 मीट्रिक टन, नागपुर को 175 मीट्रिक टन और नासिक को 114 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत होगी.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net